कानपुर, शुक्रवार, 23 जनवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 25, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

मूल्यः 2 ₹

इनसाइड बसंत पंचमीः संगम पर आस्था का महासैलाब...>Pg12

आरपार की लड़ाई को तैयार नगर निगम संयुक्त मोर्चा...>Pg03

CRIME SCENE DO NOT CROSS ● CRIME SCENE DO NOT CROSS ● CRIME SCENE DO NOT CROSS ● CRIME SCENE DO NOT CROSS

शाम को अपहरण, रात में हत्या

सुबह से पहले कातिल ढेर

☛ 12 घंटे में पुलिस का जबरदस्त एक्शन, कातिल को मुठभेड़ में मार गिराया

☛ 40 लाख की फिरौती मांगने के बाद की मासूम की हत्या, शौचालय में छिपाई लाश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

चित्रकूट। बरगढ़ में 13 वर्षीय मासूम की अपहरण के बाद हत्या के मामले में चित्रकूट पुलिस ने महज़ 12 घंटे के भीतर बड़ा एक्शन लेते हुए मुख्य आरोपी को मुठभेड़ में ढेर कर दिया। भरोसे को धोखा देकर किए गए जघन्य अपराध के बाद पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने जिले में संदेश दे दिया कि मासूमों के हत्यारों के लिए कोई मोहलत नहीं। एक आरोपी मारा गया, जबकि दूसरा गोली लगने से घायल हुआ है।

गुरुवार शाम बरगढ़ बाजार के प्रतिष्ठित कपड़ा व्यापारी अशोक केसरवानी के पुत्र आयुष केसरवानी (13) का अपहरण किया गया। कुछ ही घंटों बाद 40 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई, लेकिन उससे पहले ही आरोपियों ने बेरहमी से मासूम की हत्या कर दी। पुलिस ने जैसे ही शव बरामद किया, रात में ही आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई और 12 घंटे के भीतर मुठभेड़ हो गई।

आयुष कोचिंग से लौटकर घर की छत पर पतंग उड़ा रहा था। पड़ोस में रहने वाला इरफान और उसका हेल्पर कल्लू उसे बाइक चलाना सिखाने के बहाने नीचे बुला ले गए। परिचित चेहरों पर भरोसा ही मासूम के लिए घातक साबित हुआ। रात करीब साढ़े आठ बजे व्यापारी अशोक केसरवानी के मोबाइल पर फोन आया। धमकी भरी आवाज में 40 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई और मऊ-बरगढ़ के बीच घाटी पर पैसा लाने को कहा गया। उसी दौरान पुलिस को सूचना दी गई और पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू हो गया।

व्यापारियों में आक्रोश, फिर भी पुलिस एक्शन की चर्चा

घटना के विरोध में शुक्रवार को व्यापारियों ने बरगढ़ तिराहे पर चक्काजाम किया। हालांकि, 12 घंटे में हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर आम लोगों में यह चर्चा भी रही कि पुलिस ने इस बार देरी नहीं की। डीएम पुलकित गर्ग और एसपी ने मौके पर पहुंचकर सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया था।

नई फर्श ने खोला राज, सीट के नीचे मिली लाश

सीसीटीवी फुटेज में आयुष को कल्लू के साथ जाते देखा गया। शक के आधार पर पुलिस ने इरफान की बक्सा दुकान की तलाशी ली। शौचालय की फर्श नई बनी होने पर पुलिस ने उसे तुड़वाया। सीट के नीचे आयुष का शव मिला। रस्सी से गला घोंटा गया था, चेहरे और सीने पर गंभीर चोटों के निशान थे।

पुलिस ने 12 घंटे में हिसाब किया बराबर

शव बरामद होते ही पुलिस ने रात में ही दोनों आरोपियों की घेराबंदी शुरू कर दी। देर रात मुठभेड़ में मुख्य आरोपी कल्लू पुलिस की जवाबी फायरिंग में मारा गया, जबकि इरफान गोली लगने से घायल हो गया। घायल आरोपी को हिरासत में लेकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कैसे 12 घंटे में डिकोड हुई साजिश

5:30 बजे शाम अपहरण की शुरुआत

कोचिंग से लौटकर छत पर पतंग उड़ा रहा आयुष परिचित कल्लू के बुलावे पर नीचे उतरा। बाइक सिखाने के बहाने मासूम को ले जाया गया।

6:15 बजे शाम CCTV से पहला सुराग

स्थानीय कैमरों में आयुष को कल्लू के साथ बाइक पर जाते देखा गया। पुलिस को पहला ठोस सुराग मिला।

8:30 बजे रात फिरौती कॉल

व्यापारी अशोक केसरवानी के मोबाइल पर 40 लाख रुपये की मांग की गई। पुलिस ने कॉल डिटेल और लोकेशन ट्रेस शुरू की।

9:45 बजे रात शक दुकान पर गया

कल्लू और इरफान की भूमिका सामने आई। पुलिस टीम ने बक्सा बनाने की दुकान पर निगरानी बढ़ाई।

10:30 बजे रात नई फर्श ने खोला राज

दुकान के शौचालय की ताज़ा बनी फर्श देख पुलिस को गहरा शक हुआ। फर्श तुड़वाई गई।

11:15 बजे रात शव बरामद

शौचालय की सीट के नीचे आयुष का शव मिला। हत्या की पुष्टि होते ही केस हत्या में बदला।

12:30 बजे रात घेराबंदी और दबिश

पुलिस ने आरोपियों की संभावित लोकेशन चिन्हित कर नाकेबंदी की।

3:00 बजे तड़के मुठभेड़

पुलिस पर फायरिंग के बाद जवाबी कार्रवाई में मुख्य आरोपी कल्लू ढेर, इरफान घायल।

5:30 बजे सुबह केस क्लोज की ओर

घायल आरोपी हिरासत में, साक्ष्य जब्त, पूछताछ शुरू। जिले में सुरक्षा बढ़ाई गई।

CRIME SCENE DO NOT CROSS ● CRIME SCENE DO NOT CROSS ● CRIME SCENE DO NOT CROSS ● CRIME SCENE DO NOT CROSS

रामनगरी में सुरक्षा घेरा भेदने की कोशिश, दो गिरफ्तार

श्रीराम मंदिर दर्शन मार्ग पर दो युवकों के बैग से चाकू बरामद होने से मचा हड़कंप

रौनाही थाना क्षेत्र के निवासी निकले दोनों युवक, दर्शन के नाम पर पहुंचे थे मंदिर मार्ग तक

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की कड़ी और अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था के बीच गुरुवार देर शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब दर्शन मार्ग पर सुरक्षा जांच के दौरान दो युवकों के बैग से चाकू बरामद किए गए। दोनों युवक रामलला के दर्शन के लिए जा रहे थे, लेकिन सुरक्षा चेकिंग में मिली संदिग्ध वस्तु ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया।

घटना मंदिर परिसर से पहले स्थापित सुरक्षा चेकिंग प्वाइंट की है, जहां नियमित सघन जांच के दौरान सुरक्षाकर्मियों ने एक बैग की तलाशी ली। तलाशी में स्टाइलिश चाकू मिलने के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। तत्परता दिखाते हुए सुरक्षाबलों ने दोनों युवकों को तत्काल हिरासत में ले लिया। सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। क्षेत्राधिकारी आशुतोष तिवारी ने बताया कि हिरासत में लिए गए

दोनों युवक रौनाही थाना क्षेत्र के निवासी हैं। प्रारंभिक पूछताछ में युवकों ने दर्शन के उद्देश्य से आने की बात कही है, हालांकि चाकू साथ लाने की मंशा को लेकर पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। सीओ ने साफ कहा कि श्रीराम मंदिर परिसर और दर्शन मार्ग पर जीरो टॉलरेंस नीति लागू है और सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। मामले में दोनों युवकों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

आज शाम ब्लैकआउट मॉक ड्रिल

प्रशासन की अपील -यह सिर्फ अभ्यास, अफवाहों से बचें, सहयोग करें

» शाम ठीक 6 बजे बजेगा सायरन

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर। 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर एक विशेष ब्लैकआउट और एयर रेड मॉकड्रिल का आयोजन किया जा रहा है। शाम ठीक 6 बजे सायरन बजेगा पहले से तय कुछ क्षेत्रों 6:30 बजे तक ब्लैक आउट किया जाएगा। इस अभ्यास का मकसद किसी भी आपात स्थिति, हवाई हमले या बड़ी आपदा के समय प्रशासन और आम लोगों की तैयारी को परखना है, ताकि जरूरत पड़ने पर सभी तेजी और समझदारी से काम कर सकें। जिला प्रशासन, नागरिक सुरक्षा संगठन, पुलिस प्रशासन, अग्निशमन, पुलिस, स्वास्थ्य और अन्य विभागों के संयुक्त तत्वावधान में हवाई हमले के बचाव को लेकर मॉकड्रिल राजकीय इंटर कॉलेज, चुन्नीगंज में होगा।

इन क्षेत्रों में ब्लैक आउट

एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि शाम छह से चुन्नीगंज, नई सड़क, साइकिल मार्केट, यतीम खाना, बेगमगंज, बेकनगंज, तलाक महल, परेड, पीपीएन मार्केट में बिजली आपूर्ति नहीं होगी। इस दौरान लोग लाइट बंद रखें और घर के अंदर रहें। मॉक ड्रिल के लिए राजकीय इंटर कॉलेज, चुन्नीगंज से शाम छह बजे दो मिनट का सायरन बजाया जाएगा।

6-30 पर दो मिनट का सायरन बजाया जाए बिजली ऑन किया जा सकता है और बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। यह सिर्फ अभ्यास है, इससे डरने या घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन इसे गंभीरता से लेना बहुत जरूरी है। जिन क्षेत्रों में मॉक ड्रिल का अभ्यास किया जा रहा है केवल वहां पर ही बिजली आपूर्ति ठप की जाएगी, बाकी स्थानों पर बिजली आपूर्ति बहाल रहेगी। कभी हमला हुआ तो आमजनमानस के लिए यह रिहर्सल कारगर साबित होगा।

सायरन का मतलब समझें

» खतरे का संकेत

» मॉकड्रिल की शुरुआत में दो मिनट तक ऊंची-नीची आवाज में सायरन बजेगा।

» खतरा टलने का संकेत

इसके बाद दो मिनट तक एक समान आवाज में सायरन बजेगा, जिसका मतलब होगा कि स्थिति सामान्य हो गई है।

» प्रशासन की जनता से अपील

ब्लैकआउट के समय इनवर्टर या जनरेटर का इस्तेमाल न करें

» घर की सभी लाइटें बंद रखें

खिड़कियों पर मोटे पर्दे या काला कागज लगाएं, ताकि रोशनी बाहर न जाए

अफवाहों से बचें, सहयोग करें

एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। पुलिस, आपदा प्रबंधन और नागरिक सुरक्षा कर्मियों के निर्देशों का पालन करें, नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों का सहयोग करें। अगर कहीं संदिग्ध वस्तु या बम जैसी चीज दिखे, तो उसे न छुएं और तुरंत पुलिस को सूचना दें।

शाम पांच बजे से नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवक छोटी आग बुझाने के लिए फायर एक्सटिंग्युशर का प्रयोग,

बड़ी आग बुझाने के लिए फायर टेंडर व्हीकल का प्रयोग किया जाएगा। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाने और प्राथमिक उपचार देने का रिहर्सल होगा।

इसका उद्देश्य आपतकालीन परिस्थितियों में आम जन कल को सतर्क करना व प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा करना है।

कानपुर में अवैध प्लाटिंग पर बड़ी कार्रवाई, 3 बीघा ध्वस्त, 3 बीघा सील

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अवैध निर्माण और अनाधिकृत प्लाटिंग के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी है। उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल के निर्देशन में प्रवर्तन जोन-1बी की टीम ने बिठूर रोड क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया, वहीं सण्डीला क्षेत्र में अवैध निर्माण को सील किया गया।विशेष कार्याधिकारी एवं उपजिलाधिकारी डॉ रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व में मटका चौराहे से बिठूर रोड पर पारस हॉस्पिटल के सामने लगभग 3.0 बीघा क्षेत्रफल में विकसित की जा रही अवैध प्लाटिंग को 2 जेसीबी मशीनों के माध्यम से ध्वस्त किया गया। यह प्लाटिंग बिना प्राधिकरण से तलपट मानचित्र स्वीकृत कराए और बिना अनुमति विकसित की जा रही थी।

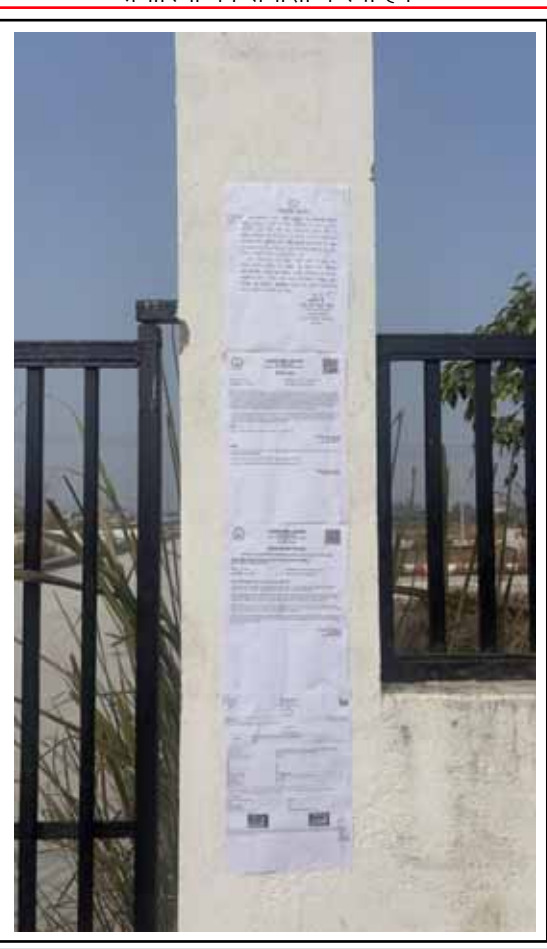

कार्रवाई के दौरान क्षेत्रीय अवर अभियंता हिमांशु बर्नवाल, सुपरवाइजर अनिल शर्मा, राम औतार, मनोज कुमार, राज कुमार, लाल सिंह सहित थाना बिठूर का पर्याप्त पुलिस बल मौजूद रहा।

इसके अतिरिक्त उ0प्र0 नगर योजना एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा 28(क) के अंतर्गत शालीग्राम विहार, सण्डीला (अग्निशमन रेंज बिठूर के सामने से उत्तर दिशा) में लगभग 3 बीघा क्षेत्रफल में किए गए अवैध निर्माण को सील किया गया।

यह निर्माण भी बिना कानपुर विकास प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराए किया गया था।

प्रवर्तन अधिकारी ने बताया कि थाना कल्याणपुर और बिठूर क्षेत्र के अंतर्गत लगभग 5 बीघा क्षेत्रफल की अन्य अवैध प्लाटिंग को भी चिन्हित कर लिया गया है, जिन पर शीघ्र ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

कानपुर विकास प्राधिकरण ने आम जनमानस से अपील की है कि किसी भी प्लाटिंग में भूमि क्रय करने से पूर्व प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें तथा भवन निर्माण से पहले मानचित्र स्वीकृत कराएं, जिससे भविष्य में आर्थिक और मानसिक क्षति से बचा जा सके।

प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी सतत अभियान के रूप में जारी रहेगी।

आरपार की लड़ाई को तैयार
नगर निगम संयुक्त मोर्चा

27 जनवरी को पुनः आम सभा आयोजित कर कार्यबंदी की घोषणा किए जाने का लिया गया निर्णय

मोतीझील-चलो मोतीझील-चलो मोतीझील-चलो मोतीझील-चलो
संयुक्त कर्मचारी संघर्ष समिति द्वारा पुनः
मोतीझील में 27 जनवरी 2026 को 1 बजे आम सभा / कार्यबन्दी क्यों

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। संयुक्त कर्मचारी संघर्ष समिति नगर निगम जलकल कानपुर की बैठक 22 जनवरी को उत्तर प्रदेश संयुक्त वाहन चालक कर्मचारी संघ के केंद्रीय कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में स्वास्थ्य एवं राजस्व विभाग के समस्त कार्यों के निजीकरण हेतु टेंडर प्रक्रिया, फेस अटेंडेंस समाप्त करने, आउटसोर्स कर्मचारियों को समय से वेतन भुगतान, सफाई कर्मचारियों की सुबह 5 बजे की ड्यूटी में शिथिलता देते हुए 7:30 बजे किए जाने सहित पांच सूत्रीय मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के उपरांत समिति के पदाधिकारियों ने महापौर प्रमिला पाण्डेय से मुलाकात कर मांगों तथा

➪ मेयर प्रमिला पांडेय से मिलकर कर्मचारी नेताओं ने बताई दिक्कतें

चल रहे आंदोलन की जानकारी दी। इस पर महापौर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए नगर आयुक्त से वार्ता कराने की बात कही और 4 दिन बाद पुनः बुलाकर चर्चा करने का आश्वासन दिया।

इसके बाद सभी घटक संगठनों की संयुक्त बैठक हुई, जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जब तक निजीकरण का टेंडर निरस्त नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा। साथ ही 27 जनवरी 2026 को पुनः आम सभा आयोजित कर कार्यबंदी की घोषणा किए जाने का निर्णय लिया गया। समिति ने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति की पूरी जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की होगी।

बैठक में किशनलाल सुदर्शन, धीरज गुप्ता, हरिओम वाल्मीकि, अजीत बाघमार, मुन्ना हजारिया, रमाकांत मिश्रा, विनोद कुमार रावत, उस्मान अली शाह, जयपाल सिंह, रमेश चंद शुक्ला, कमरुद्दीन, रामप्रकाश भारतीय, अखिलेश सिंह, हीरा लाल, मुकेश वाल्मीकि, पिंटू चौधरी, मोरध्वज वाल्मीकि, मुन्ना गंगोत्री सहित अनेक पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

घाटमपुर में नशेबाजी का खूनी अंजाम

घर से 50 मीटर दूर लाठी-डंडों से पीटकर 24 वर्षीय युवक की हत्या

- नशेबाजी को लेकर विवाद में ट्रक क्लीनर की बेरहमी से हत्या
- घर से कुछ ही दूरी पर लाठी-डंडों से किया गया हमला
- सीएचसी में डॉक्टरों ने मृत घोषित किया
- घटनास्थल से खून से सना डंडा, चप्पलें और टूटे बाल बरामद
- चार नामजद आरोपियों की तलाश में पुलिस दबिश

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। घाटमपुर थाना क्षेत्र में नशेबाजी को लेकर हुए विवाद ने एक युवक की जान ले ली। मोहल्ले के ही युवकों ने 24 वर्षीय मोहित पाण्डेय को लाठी-डंडों से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। वारदात उसके घर से महज 50 मीटर की दूरी पर रसूलिया तालाब के पास हुई, जिससे इलाके में दहशत और आक्रोश फैल गया।

मृतक मोहित पाण्डेय, नौबस्ता पूर्वी निवासी राजबहादुर का पुत्र था और ट्रक में क्लीनर का काम करता था। परिजनों के अनुसार गुरुवार शाम मोहित दिलशाद उर्फ लोहा सिंह, ननका, सोनेलाल और गुड्डू के साथ गया था। इसी दौरान नशेबाजी को लेकर कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। आरोप है कि चारों युवकों ने मोहित को लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा। गंभीर रूप से घायल मोहित को परिजन घाटमपुर सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटनास्थल पर पहुंची फोरेंसिक टीम को खून से सना डंडा, खून लगी चप्पलें, नाली में बहता खून और टूटे बाल मिले हैं। इन साक्ष्यों से पहले हाथापाई और फिर लाठी-डंडों से हमले की पुष्टि हुई है। टीम ने साक्ष्य जुटाकर जांच रिपोर्ट तैयार की है। घाटमपुर एसीपी कृष्णकांत यादव ने सीएचसी पहुंचकर मृतक के पिता से जानकारी ली। पिता राजबहादुर ने चार युवकों पर बेटे की हत्या का आरोप लगाया है। एसीपी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है।

बंद मकान में घुसे चोर ने दी पुलिस को गोली मारने की धमकी

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र में एक बंद मकान में घुसे शातिर चोर ने पुलिस को गोली मारने और खुद को जान से मारने की धमकी देकर इलाके में सनसनी फैला दी। हालांकि हालात को भांपते हुए पुलिसकर्मियों ने साहस का परिचय दिया और चोर को काबू में कर लिया।

कल्याणपुर के इंद्रा नगर निवासी अधिवक्ता अंकुर दीक्षित ने बताया कि उन्होंने करीब एक वर्ष पूर्व बालकृष्ण दीक्षित से यह मकान खरीदा था। मकान में डबल ताला डालकर वह अपने पैतृक निवास पर परिवार के साथ रह रहे थे। शुक्रवार को स्थानीय लोगों ने एक युवक को मकान में संदिग्ध अवस्था में घुसते देखा, जिसके बाद मकान मालिक और पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना पर कल्याणपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस द्वारा बाहर आने को कहने पर चोर अंदर से चिल्लाने लगा÷अंदर आए तो गोली मार दूंगा, खुद को भी मार लूंगा।÷। यह धमकी सुनकर मौके पर मौजूद लोग भी दहशत में आ गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पनकी रोड चौकी पर तैनात दरोगा भगत सिंह और सिपाही रामनरेश फौजी

➪ दरोगा और सिपाही ने बगल के मकान से घुसकर आरोपी को दबोचा

ने बगल के मकान के रास्ते अंदर प्रवेश किया और साहसिक कार्रवाई करते हुए आरोपी को धर दबोचा। आरोपी कोई भी बड़ा कदम उठा पाता, इससे पहले ही पुलिस ने उसे काबू में ले लिया। पकड़े गए आरोपी ने पूछताछ में अपना नाम संदीप निवासी आवास विकास बताया। पुलिस उसे थाने ले गई। कल्याणपुर थाना प्रभारी राजेंद्रकांत शुक्ला ने बताया कि 112 नंबर के माध्यम से बंद मकान में चोर घुसने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके से एक चोर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से लोहे का एंगल बरामद हुआ है, जिसे वह चोरी कर ले जाने की फिराक में था। मकान मालिक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कानपुर सेंट्रल के आउटर में खुलेआम हो रही अवैध वेंडिंग

मरे कम्पनी पुल के पास चलती ट्रेनों पर चढ़ रहे वेंडर, यात्रियों की सुरक्षा राम भरोसे

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सेंट्रल रेलवे स्टेशन के आउटर क्षेत्र में स्थित मरे कम्पनी पुल यात्रियों की सुरक्षा के लिहाज़ से बड़ा खतरा बनता जा रहा है। जैसे ही ट्रेनें इस क्षेत्र में रफ्तार कम करती हैं, वैसे ही अवैध वेंडरों की सक्रियता खुलकर सामने आ जाती है।

प्रत्यक्षदर्शियों और सामने आई तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि कुछ लोग चलती या धीमी गति से गुजर रही ट्रेनों पर चढ़कर खुलेआम लोकल पानी व प्रतिबंधित सामग्री की बिक्री कर रहे हैं।रेलवे नियम स्पष्ट हैं कि स्टेशन परिसर और ट्रेनों में केवल अधिकृत वेंडरों को ही सामान बेचने की अनुमति है, लेकिन कानपुर सेंट्रल के आउटर मरे कम्पनी पुल क्षेत्र में इन नियमों की खुलेआम अनदेखी

हो रही है। सबसे गंभीर चिंता यह है कि अवैध वेंडरों की आड़ में चोर-उचक्कों की आवाजाही भी आसान हो गई है। यात्रियों के अनुसार, इस क्षेत्र में सामान चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। वहीं, कई बार ट्रेन के अचानक रफ्तार पकड़ लेने से वेंडरों के गिरने या किसी बड़े हादसे की आशंका भी बनी रहती है।

स्थायी निगरानी नदारद

स्थानीय यात्रियों का कहना है कि मरे कम्पनी पुल के पास सुरक्षा व्यवस्था बेहद ढीली है। रोज़ाना यही हालात बने रहते हैं, लेकिन न तो रेलवे सुरक्षा बल की स्थायी तैनाती दिखाई देती है और न ही अवैध वेंडरों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई।

बड़ा सवाल-जब रेलवे प्रशासन द्वारा समय-समय पर अवैध वेंडिंग पर रोक के निर्देश जारी किए जाते हैं, तो फिर कानपुर सेंट्रल के आउटर मरे कम्पनी पुल के पास यह खेल कैसे जारी है? क्या रेलवे सुरक्षा बल और संबंधित विभाग इस पर सख्त कदम उठाएंगे, या यात्रियों की सुरक्षा यूं ही खतरे में बनी रहेगी?

कानपुर में अंतर्राष्ट्रीय सट्टा हवाला नेटवर्क का भंडाफोड़

धनकुट्टी में छापेमारी, 2.26 करोड़ कैश और 62 किलो चांदी बरामद

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।यूपी के कानपुर में कमिश्नरेट पुलिस ने शेयर ट्रेडिंग की आड़ में चल रहे अंतरराष्ट्रीय सट्टा और हवाला कारोबार के बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। गुरुवार रात कलक्टरगंज धनकुट्टी स्थित एक मकान पर छापेमारी कर पुलिस ने 2.26 करोड़ रुपये नकद और 61.860 किलोग्राम चांदी बरामद की। नकदी इतनी अधिक थी कि गिनती के लिए पुलिस को दो नोट गिनने की मशीनें लगानी पड़ीं। छापे के दौरान पेन ड्राइव, मॉडम, लैपटॉप, मोबाइल फोन और नेपाली करेंसी भी जब्त की गई है।जांच में सामने आया है कि पकड़े गए आरोपी क्रिकेट सट्टा, हवाला कारोबार और अवैध शेयर ट्रेडिंग में लिप्त थे। इनके संबंध आगरा के एक हिस्ट्रीशीटर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बुकी से जुड़े होने की बात सामने आ रही है। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के एडीसीपी सुमित सुधाकर रामटेके के मुताबिक, बीते कई दिनों से शहर में इस तरह के अवैध कारोबार की सूचनाएं मिल रही थीं, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई।

छापेमारी के दौरान मकान मालिक रमाकांत गुप्ता समेत किदवईनगर निवासी राहुल जैन, शिवम त्रिपाठी, यशोदा नगर गंगागंज निवासी सचिन गुप्ता और वंशराज को हिरासत में लिया गया है। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल भी मौके पर पहुंचे और आरोपियों से पूछताछ की। पुलिस अब तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर गैंग के अन्य सदस्यों, विदेशी लिंक और लेन-देन की पूरी चेन खंगालने में जुटी है।

वसंत ऋतु को सबसे मनोहर व उत्तम ऋतु माना गया

सरस्वती पूजन के साथ धूमधाम से जगह-जगह मनाई गई बसंत पंचमी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। बसंत पंचमी का पर्व क्षेत्र में हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जगह-जगह हवन-यज्ञ के पश्चात विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। विद्यालयों एवं कोचिंग संस्थानों में बसंत पंचमी को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला।

शुक्रवार को रसूलाबाद क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर बसंत पंचमी का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ हवन किया गया, जिसके उपरांत श्रद्धालुओं एवं विद्यार्थियों को मिष्ठान का वितरण किया गया। रसूलाबाद कस्बे के कानपुर मार्ग स्थित द ड्रीम वर्ल्ड अकैडमी में बसंत पंचमी का आयोजन विधि-विधान से किया गया। कोचिंग के समस्त विद्यार्थी एवं स्थानीय व्यापारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कोचिंग संचालक पुनीत बाजपेई की उपस्थिति में हवन-पूजन संपन्न हुआ। इसके बाद विद्यार्थियों द्वारा गीत-गायन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों को प्रसाद स्वरूप लड्डू एवं फल वितरित किए गए। इस अवसर पर पुनीत बाजपेई ने बसंत ऋतु के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्राचीन भारत में वसंत ऋतु को सबसे मनोहर एवं उत्तम ऋतु माना गया है, जब प्रकृति अपने पूर्ण सौंदर्य में होती है और चारों ओर उल्लास का वातावरण रहता है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शिवा सिंह, यश, नंदिनी शर्मा, अवनीश कुमार, सागर, सत्यम शुक्ला, तस्लीम, आसिफ, मुस्तकीम, सुभाष मिश्रा, छवि, मुस्कान, रिया, प्रिया पाल, सोनम, सपना सहित अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

राज्यपाल और सरकारें टकराव को टालें

अकादमी ने गुजराती, संस्कृत, हिंदी, कच्छी, सिंधी, और उर्दू में लगभग 500 किताबें अब तक छापी हैं। उसकी वेबसाइट पर जाकर खंगाल लीजिये, आपको सरदार पटेल नहीं मिलेंगे, गुजरात का कोई भी मुख्यमंत्री नहीं मिलेगा। अकादमी ने 2021 में शब्द सृष्टि दिवाली अंक पत्रिका छापी है, उसके कवर पर एक दर्जन चेहरों के साथ सरदार पटेल नमूदार हैं। लेकिन उन पर अलग से पुस्तक नहीं है। विश्व पुस्तक मेले में वैभव का प्रदर्शन पीएम मोदी के कट आउट के साथ जगह-जगह दिख रहा था। अधिकांश प्रकाशक हिंदूवादी-राष्ट्रवादी पुस्तकों के साथ नुमायां हैं। भारत मंडपम में सबसे विराट स्वरूप वाला 'भारतीय सैन्य इतिहास – वीरता और ज्ञान ब्र 75' पैवेलियन देखकर कोई भी हैरान हो सकता है। यह सेना के शौर्य को प्रदर्शित करता एक शानदार थीम पैवेलियन है, जिसमें 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे सैन्य अभियानों को तोप और युद्धक विमान के मॉडल के साथ दर्शाया गया है। इसके आगे सारे स्टाल बौने से लगेंगे। इस पैवेलियन में विमर्श के वास्ते सेना के वरिष्ठ अधिकारी, डिफेन्स एक्सपर्ट भारत के शौर्य का बखान, और बीच-बीच पीएम मोदी की चर्चा करते दिखते हैं।एक हज़ार से ज्यादा प्रकाशक, और तीन हज़ार से अधिक स्टालों में बहुतेरे प्रकाशकों ने ब्रांड मोदी को इस पुस्तक मेले में बेचा है। मोदी के सेल्फी-प्वाइंट, मोदी के बैनर-पोस्टर-कटआउटों से पटा पड़ा है विश्व पुस्तक मेला। लेकिन, गुजरात साहित्य अकादमी में इतना सन्नाटा क्यों?पटेल पर पुस्तक नहीं। पीएम मोदी पर भी एक किताब नहीं। विश्व पुस्तक मेले में गुजरात साहित्य अकादमी के स्टाल पर यह देखकर मैं हैरान हुआ। दो सौ किताबों के साथ लगभग आठ गुना दस फीट का छोटा-सा स्टाल। दो लोग बैठे। एक वैभवशाली प्रदेश की साहित्य अकादमी स्टाल एकदम उपेक्षित-सा। इस अकादमी की स्थापना कांग्रेसी मुख्यमंत्री माधव सिंह सोलंकी के कार्यकाल में 24 सितंबर, 1981 को हुई थी। गुजरात के शिक्षा सचिव समेत इसके 41 सदस्य हैं। वर्ष 2003 से 2015 तक यह संस्था बिना किसी अध्यक्ष के ख़रामा-ख़रामा चलती रही।

वर्ष 2015 एक आईएएस भाग्येश झा को जब गुजरात साहित्य अकादमी का अध्यक्ष बनाया गया, उसे लेकर काफी विवाद हुआ। 2017 में पत्रकार विष्णु पांड्या गुजरात साहित्य अकादमी के अध्यक्ष बनाये गए। गुजरात साहित्य अकादमी में धन का संकट भी बताया जाता है। बाज़ दफा गुजरात साहित्य अकादमी और गुजरात साहित्य परिषद के बीच वर्चस्व को लेकर जंग छिड़ जाती है। गुजरात साहित्य परिषद् को अपनी विरासत पर नाज़ रहता है, 1936 में महात्मा गांधी इसके अध्यक्ष रह चुके थे।

अकादमी ने गुजराती, संस्कृत, हिंदी, कच्छी, सिंधी, और उर्दू में लगभग 500 किताबें अब तक छापी हैं। उसकी वेबसाइट पर जाकर खंगाल लीजिये, आपको सरदार पटेल नहीं मिलेंगे, गुजरात का कोई भी मुख्यमंत्री नहीं मिलेगा। अकादमी ने 2021 में शब्द सृष्टि दिवाली अंक पत्रिका छापी है, उसके कवर पर एक दर्जन चेहरों के साथ सरदार पटेल नमूदार हैं। लेकिन उन पर अलग से पुस्तक नहीं है। अलबत्ता, गुजरात साहित्य अकादमी ने तुलसी, कबीर, गांधी, अम्बेडकर, औरंगज़ेब, श्यामजी कृष्ण वर्मा, सत्यजीत रे, महिला संत भक्तोनी पर पुस्तकें छापी हैं। क्या गुजरात साहित्य अकादमी नरेंद्र दामोदरदास मोदी के साहित्यिक अवदान से अनभिज्ञ है? पीएम मोदी एक कवि भी हैं। नरेंद्र मोदी की कविताओं पर एक पुस्तक है-'ए जर्नी – पोयम्स बाय नरेंद्र मोदी।' इस पुस्तक में भी पीएम मोदी की गुजराती में लिखी गई कविताओं का अंग्रेजी अनुवाद रवि मंथा ने किया है। इस पुस्तक की भूमिका खुद मोदी ने लिखी है। रूपा पब्लिकेशन से प्रकाशित इस पुस्तक संग्रह में नरेंद्र मोदी द्वारा विभिन्न विषयों पर लिखी गई 67 कविताएं हैं। पीएम मोदी की एक और पुस्तक है, 'लैटर्स टू मदर'। मां को लिखे गए ख़त गुजराती में हैं, और इनका अंग्रेजी में अनुवाद किया है भावना सुमाया ने। इस पुस्तक में बताया गया है कि नरेंद्र मोदी जब युवा थे, तो उनको हर रात सोने से पहले देवी मां को डायरी में एक पत्र लिखने की आदत हो गई थी। इस पत्र में वे मां को 'जगत जननी' के रूप में संबोधित करते थे। इन पत्रों के विषय अलग-अलग हुआ करते थे।

चुनौतीपूर्ण दौर में रणनीतिक समझौतों की अनिवार्यता

यशवंत सचदेव

रणनीतिक अस्पष्टता कभी वक्त निकालने का तरीका था जिससे तनाव घटाया जा सके। ताकि इतिहास अपना काम कर सके। यह स्थायित्व में भी मददगार थी। लेकिन मौजूदा बिखरावपूर्ण विश्व व्यवस्था में, यह फैसले टालने, जवाबदेही बगैर सहनशक्ति परखने व तथ्य... रणनीतिक अस्पष्टता कभी वक्त निकालने का तरीका था जिससे तनाव घटाया जा सके। ताकि इतिहास अपना काम कर सके। यह स्थायित्व में भी मददगार थी। लेकिन मौजूदा बिखरावपूर्ण विश्व व्यवस्था में, यह फैसले टालने, जवाबदेही बगैर सहनशक्ति परखने व तथ्य बदलने का जरिया है। यह अस्पष्टता अचानक विफल नहीं हुई बल्कि जानबूझकर की गयी।दशकों तक, रणनीतिक अस्पष्टता को समझदारी की तरह लिया जाता था, समय निकालने का तरीका, तनाव घटाएं और इतिहास को अपना काम करने दें। एक अधिक संतुलित दुनिया में, इसने स्थायित्व बनाने का काम किया। मौजूदा बिखरावपूर्ण विश्व व्यवस्था में, यह फैसला टालने, जवाबदेही बगैर सहनशक्ति परखने व तथ्य बदलने का जरिया है। जो उपाय कभी शांति कायम रखता था, आज अनिश्चितता बढ़ा रहा है। परिणाम है नियंत्रित विचलन। अस्पष्टता अचानक विफल नहीं हुई; जानबूझकर की गयी।

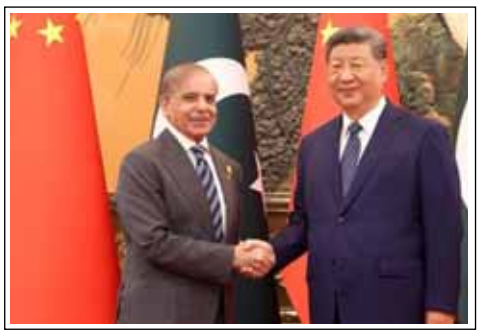

अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था ने शनैः–शनैः संयम को चुप्पी मानना सीख लिया। मुश्किल सवाल अनुत्तरित छोड़ दिए गये, सीमाएं अस्पष्ट और समयसीमा अनिर्धारित बनी रहीं। असमान महत्वाकांक्षा और अवसरवादी संशोधनवाद के युग में, अस्पष्टता सुरक्षा कवच की बजाय बोझ बन गई, जिसका दोहन वे करते हैं जिन्हें देरी करते जाने से फायदा है और भुगतना उन्हें पड़ता है जो विश्व व्यवस्था का पालन करने पर निर्भर रहते हैं। रणनीतिक अस्पष्टता की शुरुआत टालमटोल के तौर पर नहीं हुई थी। इसका मकसद था इरादे परखना और तालमेल बनने देना। यह कारगर रहा क्योंकि यह पारस्परिक आधार पर था और इसमें संतुलन शामिल था। समय के साथ, दोहराव ने इसे खोखला कर डाला। एक अस्थायी उपाय वह प्रवृत्ति बन गया;जिसका उद्देश्य नीयत स्पष्ट करना था, वह यथास्थिति की धीरे-धीरे, हिसाब-किताब लगाकर समाप्ति का तरीका बन गया। जब अस्पष्टता असमानता हो जाए – अनिर्धारित सीमाओं से इतर इसकी मिसाल कहीं इतनी साफ दिखाई नहीं देती। बहुत ऊंचाई वाले इलाकों में, नीति का मोल विरल हवा और जमी बर्फ में मापा जाता है। सबसे पहले नागरिकों को भुगतना पड़ता है, मसलन,कोई चरवाहा किसी रोज पाए कि एक गैर-मान्यताप्राप्त बाड़बंदी ने पीढ़ियों पुरानी उसकी चरागाह छीन ली या जब कोई ग्रामीण पाए कि पुरखों से चला रहा उसके क्षेत्र का नक्शा रात में खामोश सैनिक गश्त से पुनर्निर्धारित कर दिया गया। दर समद में मछुआरों का यह पाना कि

उनकी आजीविका रातोंरात अपराध बन गयी, इसलिए नहीं कि नक्शों की लकीरें सार्वजनिक रूप से पुनः खींची गई, बल्कि इसलिए कि वे जानबूझकर अस्पष्ट छोड़ दी थी।ऐसी सीमाओं पर, सैनिक अनिश्चितता को जीवन का अंग मानकर जीते हैं। वे उसी ऊबड़-खाबड़ ज़मीन पर चलते हैं, मामला निबटा देने की बजाए संयम बरतते हैं। जब अस्पष्टता पककर टकराव में बदल जाती है, तब उन्हें राजधानियों में अनिर्णय से पैदा जोखिम संभालने के लिए मानव बारूदी सुरंगों के रूप में आगे कर दिया जाता है।लीक बदलने की लोकतांत्रिक कीमत – लंबे समय तक जारी अस्पष्टता की कीमत समान रूप से नहीं झेलनी पड़ती। लोकतंत्र बहसों और जवाबदेही के जरिये अनिश्चितता को जज़्ब करते हैं। संशोधनवादी व्यवस्थाएं छद्म रूप से अस्पष्टता चलाती हैं। असमान संदर्भों में, अस्पष्टता सबसे मज़बूत पक्ष का भरोसेमंद साथ निभाती है। लीक में बदलाव असमान लागत लागू करता है और औपचारिक पसंद के बगैर, अंश-वार बदलाव बनाता है। ऐसी स्थितियों में, स्पष्टता टकराव नहीं बढ़ाती ; यह लोकतांत्रिक स्वच्छता है।नियम कौन लिखता है – जब लोकतंत्र प्रारूप बनाने को टालते हैं, तो वे मूल स्वरूप खो देते हैं। नियम सहमति से नहीं, बल्कि बारंबार प्रक्रिया से बदलते हैं। अस्पष्टता विकल्पों का तबतक क्षरण करती जाती है जबतक कि सिर्फ़ एक ही बचे। एक सदी से भी पहले, लॉर्ड कर्जन ने पाया था कि सीमाओं को तय करने के बजाय उन्हें अनिर्धारित छोड़ देने से लाभ ज़्यादा होता है। उनकी यह अंतर्दृष्टि फायदा उठाने की गर्ज से थी। अस्पष्टता उस हित में है जो नक्शे को परिवर्तनीय और वक्त को हथियार की तरह बरतता है।समय सीमाओं का टकराव -2035 और 2047 – वह तर्क अब मद्धिम पड़ रहे वापसी बिंदु पर पहुंच चुका है। स्थिरता अब अनकही बातों पर और निर्भर नहीं रह सकती; यह योजनाबद्ध होनी चाहिए। चीन ने वर्ष 2035 को राष्ट्रीय कायाकल्प की समय-सीमा तय किया है। जबकि भारत का संकल्प साल 2047 तक है, जोकि आज़ादी का शताब्दी वर्ष है। बीच के दशकों को दूसरे की समयसीमा के हवाले करके कोई भी एक पक्ष ताकत का सभ्यतागत मील पत्थर हासिल नहीं कर सकता।

संपत्ति में हक व स्वावलंबन से महिला सशक्त बने

लिंग अनुपात वृद्धि स्थायी हो

डा0 सुधीर कुमार

जिन राज्यों में महिलाओं को संपत्ति में बराबर अधिकार दिया जाता है वहां महिलाओं की जनसंख्या पुरुषों की अपेक्षा ज्यादा ही है।

वर्ष 2025 में हरियाणा के बढ़े हुए लिंग अनुपात की खबर सुखद है परंतु विवेक इसके टिकाऊपन व इस रास्ते से उत्तरोत्तर सुधार पर भरोसा नहीं कर पा रहा। आर्थिक स्तर पर प्रगतिशील परंतु सामाजिक स्तर पर बीमारू की कैटेगरी में गिने जाने वाले राज्य में जन्म स्तर पर लगभग आधे जिलों में सुधार का होना एक स्वागतयोग्य कदम है। वैसे जिन प्रावधानों पर विशेष ध्यान देकर इस वृद्धि को हासिल किया गया है उनकी प्रवृति अस्थिर होती है। महिलाओं की आर्थिक स्थिति व सामाजिक मानसिकता में मूलभूत बदलाव की अनुपस्थिति में केवल तकनीकी आदि माध्यमों से हासिल इस बढ़ोतरी के भी कई यक्ष प्रश्न हैं। गर्भवती महिलाओं की निगरानी, एमटीपी किट बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई तथा अल्ट्रासाउंड मशीनों की निगरानी और प्रशासन की तरफ से चौकसी मॉनिटरिंग वे मुख्य माध्यम है, जिनके आधार पर इस बढ़ोतरी के हासिल करने के दावे किए जा रहे हैं। लेकिन यह बढ़ोतरी अत्यधिक चंचलता लिए हुए नजर आती है। यहां तक कि केवल अफ़सरशाही के स्तर पर थोड़ा फेरबदल भी इस बढ़ोतरी के लिए चुनौती बन सकता है।

दूसरी तरफ गर्भवती महिलाओं की निगरानी को उनके मानवीय अधिकारों का उल्लंघन व उनकी शारीरिक आजादी पर अंकुशीकरण की तरह से भी अवश्य ही देखा जाएगा। आशा-वर्करों द्वारा करवाई जा रही गर्भवती महिलाओं की निरंतर निगरानी स्वयं उनके लिए भी भारी जोखिमपूर्ण काम है। आंगनबाड़ी वर्कर भी लिंग अनुपात को लेकर अधिकारियों की तरफ से बढ़े-चढ़े आंकड़े दिखाने का दबाव का जिक्र करती हैं। हकीकत यह भी है कि लिंगानुपात को लेकर सबसे भरोसेमंद आंकड़े तो जनगणना से उभर कर आने वाले ही आंकड़े होते हैं। हरियाणा स्थापना पूर्व से ही इस समस्या से जूझता रहा है। 2001 की जनगणना में हरियाणा लिंगानुपात के हिसाब से सबसे खराब राज्यों में 861–1000 के अनुपात पर था। 2011 में भी यह मामूली सुधार के

साथ 879– 1000 के काफी खराब स्तर पर रहा। 2015 में हरियाणा से ही 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरुआत हुई। लड़कियों व उनके परिजनों को कई तरह से आर्थिक सहयोग की स्कीमें शुरू की गईं। प्रचार-प्रसार से राज्य की तमाम एजेंसियों का ध्यान इस ओर खींचा गया। अनेक स्तर पर सरकारी पहल पर आयोजित बड़े-बड़े प्रोग्रामों का स्वयं लेखिका भी हिस्सा रही। फलस्वरूप 2019 में हरियाणा का लिंग अनुपात बढ़ते हुए (एसआरबी) 923 से अधिक दर्ज हुआ। परंतु इसके बाद इसमें गिरावट दर्ज की गई और 2024 में यह लिंगानुपात घटकर 910 पर आ गया। 2025 में इसके फिर अब तक के अधिकतम स्तर 930–1000 पर पहुंचने का दावा किया जा रहा है, जो राष्ट्र स्तर के अनुपात 933 के लगभग आसपास पहुंचा हुआ है। लगता है 2024 के बाद प्रशासनिक स्तर पर पीसीपीएनडीटी एक्ट को लागू करने के प्रयास अभूतपूर्व तरीके से किए गए, जिसमें अकेले 2025 में ही 154 एफआईआर दर्ज की गई। नतीजों के हिसाब से पंचकूला 971, फतेहाबाद 961 व पानीपत 951 पर पहुंचा है। प्रशासन ने गैर-कानूनी तरीके से गर्भपात की दवाइयां बेचने वालों, पड़ोसी राज्यों में जाकर गर्भपात करवाने वालों, अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर छापामारी तथा गर्भवती महिलाओं की आईडी बनाकर उनकी निगरानी आदि कार्रवाइयां व्यापक पैमाने पर की गईं। परंतु समस्या को समूल समझते हुए समग्रता पूर्ण तरीके से उसका निवारण करने की चुनौती दरपेश है। हमारे समाज में पुत्र लालसा बहुत गहरी जड़ें जमाए हुए है। हाल ही में फतेहाबाद व जींद जिला के उदाहरण जहां लड़के के लिए परिवार वालों ने दस-दस लड़कियां पैदा कीं और ग्यारहवीं सन्तान लड़का होने पर उसका नाम 'खुशदिल' रखना इसके ताजा उदाहरण हैं। इसके ठोस कारण भी हैं। मसलन महिलाओं को संपत्ति में अधिकार न होना, जिसकी वजह से उन्हें बोझ व पराया धन समझने की प्रवृत्ति बनती है। पितृ सत्तात्मक समाजों में पुत्र ताकत का प्रतीक है। वंश धारक, मां-बाप को मुखाग्नि देने वाला व बुढ़ापे का सहारा माना जाता है। लड़कियों की असुरक्षा व दहेज हिंसा आमतौर पर लड़की भ्रूण हत्या के मुख्य कारण उभर कर आते हैं।

कुछ तबकों को छोड़कर हमारा समाज न तो दहेज प्रथा को खत्म करने के लिए इसके खिलाफ लड़ता नजर आता है और न ही महिलाओं के प्रति होने वाली हिंसा के खिलाफ आवाज उठाता है। इस असहाय समर्पणकारी मानसिकता के खिलाफ सामाजिक सक्रियता को हासिल करने के जनजागरण अभियान चलाने होंगे। दहेज के खिलाफ और महिलाओं की सुरक्षा के लिए तमाम संस्थाओं को संघर्ष करना होगा। शादियों पर खर्च कम होने की बजाय और बढ़ता ही जा रहा है। जिम्मेवार पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ महिला यौन हिंसा के आरोप लगने पर सख्त से सख्त सजा सुनिश्चित करवानी होगी। वक्त की मांग है महिलाओं को संपत्ति में अधिकार व ज्यादा से ज्यादा रोजगार देना होगा

जहां रहेगा वहीं रोशनी लुटाएगा किसी चराग का अपना मकां नहीं होता...

आल इंडिया मुशायरे में शायराना अंदाज में नजर आए एसडीएम

मकनपुर मेला

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। ऐतिहासिक बसंत पर्व मेले के अवसर पर गुरुवार की रात मकनपुर में आयोजित आल इंडिया मुशायरे ने अदब और शायरी के रंग बिखेर दिए। मुशायरे में देशभर से आए नामचीन शायरों ने एक से बढ़कर एक शेर और ग़ज़लें पेश कर श्रोताओं को देर रात तक बाँधे रखा। मेला अध्यक्ष एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित, मेला सचिव तहसीलदार अनुभव चंद्रा एवं एसीपी मंजय सिंह मकनपुर मेला तहसील पहुँचे। इसके बाद सभी अधिकारी मुशायरा स्थल पर पहुँचे, जहाँ हज़रत जिंदा मदार की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए गए।अधिकारियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर मुशायरे का उद्घाटन किया।

मेला समिति की ओर से अतिथियों को फूल-मालाओं व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। शेरो-शायरी के आग़ाज़ से पहले मंच संचालन कर रहे साहिर हुसैन जाफ़री ने मेला अध्यक्ष एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित को माइक पर आमंत्रित किया। एसडीएम ने मेले की व्यवस्थाओं पर संक्षिप्त संबोधन देने के बाद मेला समिति का आभार जताया और शायराना अंदाज़ में वसीम बरेलवी का मशहूर

⇨ वसीम बरेलवी का मशहूर शेर पढ़ा तो पूरे मुशायरे में वाह-वाही गूंजी

शेर पढ़ा। "जहाँ रहेगा वहीं रोशनी लुटाएगा, किसी चराग़ का अपना मकाँ नहीं होता।" शेर सुनते ही पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मुशायरे की निज़ामत कर रहे डॉ. हिलाल बदायूंनी ने अपने चंद अशआर से समां बाँधा और फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध शायरा अना देहलवी को दावत दी। अना देहलवी ने देशभक्ति से ओतप्रोत नज़्म- "दिल में जो है मेरे अरमान भी दे सकती हूँ, वक़्त पड़ जाए तो संतान भी दे सकती हूँ, मुल्क से अपने मुझे इतनी मोहब्बत है, मैं तिरंगे के लिए जान भी दे सकती हूँ।" पढ़कर माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। अज्म शाकिरी ने माइक संभालते हुए मोहब्बत के रंग बिखेरे और शेर पढ़ा-"दिल में हसरत कोई बची ही नहीं,आग ऐसी लगी बुझी ही नहीं।"

अना देहलवी ने पूरी की शबीना अदीब की कमी

मकनपुर मुशायरे में शबीना अदीब की हाजरी जरूरी मानी जाती है। शबीना का अदबी करियर मकनपुर की मिट्टी में अदीब मकनपुरी के सानिध्य में शुरू हुआ था। शबीना मकनपुर को अपनी कर्मस्थली मानकर चलती हैं लेकिन शोहरत और व्यस्तता के कारण शबीना अब कम ही मकनपुर का रुख करती हैं। इस बार शबीना मुशायरे में नहीं पहुंची तो श्रोताओं का दिल टूट गया लेकिन अना देहलवी ने जब कलाम पढ़ा तो शबीना अदीब की कमी श्रोताओं को नहीं खली और वो ताली बजाने को मजबूर हो गए।

मुशायरे में शायरा अना देहलवी, शायर जौहर कानपुरी, हसन काज़मी, जहाज़ देवबंदी, शाहनवाज़ तालिब, नाज़िया सेहरी, फ़ैसल वारसी, चरण सिंह बशर सहित मकनपुर के स्थानीय शायरों ने भी अपनी शायरी से महफ़िल में चार चाँद लगा दिए। मुशायरे का सिलसिला भोर पहर तक चलता रहा और श्रोताओं की भीड़ अंत तक जमी रही। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार हशम अब्बास नक़वी, मेला खजाँची सुनील चौधरी,ग्राम प्रधान मज़ाहिर हुसैन जाफ़री, नंदलाल पाल, दीपक श्रीवास्तव, पूर्व प्रधान इमरान सिकोह जाफ़री, सज्जादा नशीन नूरुल आरफ़ात जाफ़री सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

23 महीने बाद मिला इंसाफ: बेटी के हत्यारे पिता, सौतेली मां को उम्रकैद

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। करीब दो साल पहले गजना गांव की एक छत पर घास-फूस के नीचे दबी मासूम की लाश ने जिस खामोश चीख से पूरे इलाके को हिला दिया था, उसी कहानी का गुरुवार को इंसाफ़ भरा अंत हो गया। अदालत ने उस दरिंदगी के दो किरदार सौतेली मां और सगे पिता को उम्रकैद की सजा सुनाकर साफ कर दिया कि मासूमियत का खून कभी बेआवाज नहीं जाता। यह वही रात थी, जब 8 साल की रिहाना अपने ही घर में दरिंदगी का शिकार बनी। अभियोजन पक्ष के अनुसार 3 फरवरी 2024 को पिता अनीस मोहम्मद उर्फ लालू और उसकी दूसरी पत्नी फरजाना खातून ने पूरे दिन बच्ची को पीटा, तड़पाया और शाम ढलते-ढलते उसकी सांसें छीन लीं। गुनाह पर पर्दा डालने के लिए दोनों ने मासूम के शव को घर की छत पर ले जाकर लकड़ियों और घास-फूस के बीच दबा दिया, मानो सच भी वहीं दब जाएगा।

लेकिन गांव की आंखें बंद नहीं थीं। बच्ची के अचानक गायब होने पर शक गहराया। ग्राम प्रधान अक्षय और ग्रामीणों ने घर का दरवाजा तोड़ा, छत पर पहुंचे और घास-फूस हटाते ही वह मंज़र सामने आया जिसने पत्थर दिलों को भी हिला दिया। मासूम की लाश मिलते ही तय हो गया कि यह गुनाह छिपेगा नहीं। कन्नौज के गुरसहायगंज निवासी बच्ची के मामा ने रिश्तों की अदालत में नहीं, बल्कि कानून की अदालत में इंसाफ मांगा। हत्या और साक्ष्य मिटाने की धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ। तत्कालीन इंस्पेक्टर अरौल

⇨ अरौल के गजना गांव में पिता व सौतेली मां ने 8 साल की बेटी की हत्या कर शव छत पर छिपाया था

हत्यारा पिता अनीस व सौतेली मां फरजाना खातून।

अखिलेश पाल ने इस वारदात को हैवानियत करार देते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। विवेचना के दौरान जुटाए गए साक्ष्य और गवाहों के बयानों के आधार पर पुलिस ने आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे एडीजीसी विवेक त्रिपाठी ने मजबूत तर्क और सबूत पेश किए, जिन्हें अदालत ने स्वीकार करते हुए दोनों आरोपियों को दोषी करार दिया। अदालत ने पिता और सौतेली मां को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही अलग-अलग धाराओं में दोनों पर 70-70 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। सजा का एलान होते ही दोनों दोषियों को न्यायिक अभिरक्षा में माती कारागार भेज दिया गया। गुरुवार शाम फैसला आते ही गांव में हर तरफ यही चर्चा सुनने को मिली। ग्रामीणों ने कहा कि देर से सही, लेकिन कानून ने मासूम के साथ हुई दरिंदगी पर सख्त और स्पष्ट संदेश दिया है। हालांकि जिस घर की छत पर कभी यह खौफनाक सच छिपाया गया था, वहां अब ताला लटका है। बताया गया कि बच्ची की दादी अपने एक बेटे और दो बेटियों के साथ रिश्तेदारी में गई हुई हैं।

नेत्रहीन रन्नो भीख मांगकर बच्चों का पालन कर रही

गांव के लोग बताते हैं कि अनीस और उसकी दूसरी पत्नी फरजाना खातून, अनीस की मां रन्नो देवी के साथ बेहद क्रूर व्यवहार करते थे।अनीस की पहली पत्नी के निधन के बाद दोनों का रवैया और भी कठोर हो गया। रन्नो देवी अपनी चार बेटियां रेहाना, रिहाना, फरजाना और गुलफशा के साथ रहती थीं। रन्नो एक आंख से भी कम देख पाती थीं।फरजाना खातून न केवल अपने सास रन्नो के साथ बच्ची से मारपीट करती थी, बल्कि रन्नो और मृतक बेटी से भी भीख मंगवाती थी। इन मुश्किल हालातों में रन्नो और उनके बच्चे अपनी रोजमर्रा की जिंदगी के लिए भीख पर निर्भर थे। कभी-कभी ग्राम प्रधान और ग्रामीण मदद के लिए आगे आते, तो कभी रन्नो अपनी बेटियों के पास जाकर रह लेती। चार दिन पहले रन्नो बच्चों को लेकर अपनी छोटी बेटी के घर चली गई, जिससे घर के दरवाजे पर ताले लगे हुए थे।

बिल्हौर व चौबेपुर में भूमि विकास बैंक प्रतिनिधि निर्विरोध चुने गए

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। भूमि विकास बैंक के प्रतिनिधि पद के लिए हुए चुनाव में बिल्हौर और चौबेपुर दोनों क्षेत्रों से एक-एक प्रत्याशी के नामांकन के चलते चुनाव निर्विरोध संपन्न हो गया। बिल्हौर से रामशरण कटियार तथा चौबेपुर से सुरेंद्र दीक्षित को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। बिल्हौर भूमि विकास बैंक के प्रतिनिधि पद हेतु 19 जनवरी को केवल रामशरण कटियार का ही नामांकन पत्र दाखिल हुआ था। नामांकन प्रक्रिया एवं जांच पूरी होने के बाद गुरुवार को निर्वाचन अधिकारी द्वारा उन्हें निर्विरोध विजयी घोषित किया गया।

एडीएम संजीव दीक्षित ने बताया कि निर्धारित समयावधि में अन्य कोई नामांकन न होने के कारण नियमों के तहत रामशरण कटियार को प्रतिनिधि घोषित किया गया। परिणाम घोषित होते ही भाजपा

⇨ अन्य प्रत्याशी न आने से प्रतिनिधि पद पर हुई सीधी जीत

कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। निर्वाचन की घोषणा के बाद बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष आलोक उर्फ़ टुन्नू मिश्रा, नितिन कटियार, अभिषेक पांडे, शुशांक मिश्रा, मंडल अध्यक्ष सौरभ शर्मा सहित कई कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से स्वागत किया और मिठाई बांटकर खुशी जाहिर की। वहीं, चौबेपुर भूमि विकास बैंक प्रतिनिधि पद के लिए भी भाजपा की ओर से केवल सुरेंद्र दीक्षित का ही नामांकन किया गया था। अन्य किसी प्रत्याशी के मैदान में न उतरने से उन्हें भी निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। उल्लेखनीय है सुरेन्द्र दीक्षित हिंदूपुर निवासी हैं और इलाके की राजनीति में उनका खासा दखल रहता है। जिसकी एक वजह उनका मृदुभाषी होना है।

एशिया की प्रसिद्ध सातनपुर मंडी में आलू बिक रहा बेमोल

रविनन्दन मिश्रा/स्वराज इंडिया

3-4 रुपये किलो पर सिमटा भाव, कोल्ड स्टोरेज खुलने पर टिकी किसानों की आखिरी आस

फर्रुखाबाद। प्रदेश ही नहीं, बल्कि एशिया की ऐतिहासिक और प्रसिद्ध सातनपुर आलू मंडी में इन दिनों किसानों की परेशानी चरम पर है। भारी आवक के चलते आलू के थोक दाम गिरकर महज 3 से 4 रुपये प्रति किलो पर आ गए हैं। हालात ऐसे हैं कि लागत निकालना भी मुश्किल हो गया है, जिससे आलू उत्पादक किसानों की चिंता बढ़ती जा रही है।मंडी के आढ़तियों के अनुसार इस वर्ष आलू की पैदावार पिछले साल की तुलना में कहीं अधिक हुई है। सातनपुर मंडी के आढ़ती अरविंद राजपूत बताते हैं कि बीते वर्ष आलू के अच्छे दाम मिलने से किसानों को दोगुना लाभ हुआ था। इसी उम्मीद में इस बार किसानों ने बड़े पैमाने पर आलू की खेती की, लेकिन अब बाजार में आवक अधिक होने से भाव लगातार गिरते चले जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि सिर्फ सातनपुर मंडी ही नहीं, बल्कि आसपास और बाहर की मंडियों में भी आलू की स्थिति बेहद खराब है। मांग कम और आवक ज्यादा होने से बाजार पूरी तरह दबाव में है। आलू उत्पादक किसान यह अनुमान नहीं लगा पाए थे कि इस वर्ष भाव इतने नीचे चले जाएंगे।

आढ़तियों का कहना है कि फिलहाल किसानों की आख़िरी उम्मीद कोल्ड स्टोरेज पर टिकी हुई है। हालांकि कोल्ड स्टोरेज में पहले से ही आलू भंडारित है और नए कोल्ड स्टोरेज फ़रवरी के दूसरे सप्ताह में खुलेंगे। तब जाकर किसान आलू को सुरक्षित रख सकेंगे और भविष्य में बेहतर दाम मिलने की संभावना देख रहे हैं।

मंडी में हालात यह हैं कि एशिया की इस प्रतिष्ठित सातनपुर मंडी में आलू खुले में पड़ा है। अब उसे बोरों में भरकर सुरक्षित करने का काम शुरू कर दिया गया है, ताकि खराब होने से बचाया जा सके। बावजूद इसके, बिक्री बेहद कम है और किसान असमंजस की स्थिति में हैं। लगातार गिरते दामों ने आलू उत्पादक किसानों की आर्थिक हालत बिगाड़ दी है। अगर जल्द ही बाजार में सुधार नहीं हुआ, तो किसानों पर कर्ज और नुकसान का बोझ और बढ़ सकता है।

मुख्य बातें

- एशिया की प्रसिद्ध सातनपुर आलू मंडी में रिकॉर्ड आवक, भाव औंधे मुंह गिरे
- थोक में आलू का दाम 3 से 4 रुपये प्रति किलो पर सिमटा
- अधिक उत्पादन बना किसानों की मुसीबत, लागत निकालना भी मुश्किल
- पिछले वर्ष अच्छे दाम मिलने से इस बार किसानों ने बढ़ाई थी बोआई
- सातनपुर के साथ-साथ आसपास व बाहरी मंडियों में भी हालात खराब
- मांग कम, आपूर्ति अधिक होने से बाजार पूरी तरह दबाव में
- मंडी में खुले में पड़ा आलू, अब बोरों में भरकर किया जा रहा सुरक्षित
- कोल्ड स्टोरेज पहले से भरे, नए कोल्ड फ़रवरी के दूसरे सप्ताह में खुलेंगे
- किसानों की उम्मीदें अब कोल्ड स्टोरेज और भविष्य के भाव पर टिकी
- लगातार गिरते दामों से आलू उत्पादक किसानों की आर्थिक स्थिति बिगड़ी

बसंतोत्सव

केंद्रीय विद्यालय आईआईटी कानपुर में

वसंत पंचमी, पराक्रम दिवस मनाया

स्वराज इंडिया न्यूज

केंद्रीय विद्यालय आईआईटी कानपुर में वसंत पंचमी, पराक्रम दिवस एवं परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री अनूप कुमार अवस्थी, सहायक आयुक्त, केवीएस लखनऊ द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। छात्राओं ने सरस्वती वंदना, भाषण एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं।

इस अवसर पर पीपीसी क्विज प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के लगभग 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता में आयुष कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सांस्कृतिक मूल्यों एवं सकारात्मक सोच का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

ओवरलोड ट्रक ने ट्रैक्टर को मारी टक्कर, बाल-बाल बचे लोग

तेज रफ्तार बालू लदे ट्रक ने मचाया तांडव, ट्रैक्टर चकनाचूर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर क्षेत्र के अफसरिया गांव के सामने मुगल सड़क पर एक तेज रफ्तार ओवरलोड ट्रक ने ईंटों से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि ट्रैक्टर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि ट्रैक्टर चालक ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचा ली।

हादसे के समय ट्रैक्टर पर चालक सहित चार लोग सवार थे। टक्कर में तीन मजदूरों में से दो को मामूली चोटें आईं। घायलों का इलाज एक निजी अस्पताल में कराया गया। भोगनीपुर थाना क्षेत्र

के रैंगवा गांव निवासी चालक संदीप ने बताया कि वह कमलपुर स्थित ईंट भट्ठे से ईंटें लादकर उरई जा रहा था। जैसे ही ट्रैक्टर अफसरिया गांव के सामने पहुंचा, अफसरिया-मडैय्या मार्ग से आ रहे बालू लदे ट्रक ने ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर मार दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। क्षतिग्रस्त ट्रैक्टर को सड़क से हटाकर यातायात सामान्य कराया गया। सट्टी थानाध्यक्ष कालीचरण कुशवाहा ने बताया कि ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया गया

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को मारी टक्कर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सट्टी थाना क्षेत्र के शाहजहांपुर कस्बे में गुरुवार देर रात तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार मौदाहा निवासी मोहम्मद वसीम गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि औरैया निवासी शिवम को मामूली चोटें आई हैं। दोनों युवक भोगनीपुर से राजपुर थाना क्षेत्र के खोजा रामपुर स्थित जेबीएफ ईंट भट्ठे पर जा रहे थे। शाहजहांपुर कस्बे में नेहरू इंटर कॉलेज के सामने राजपुर की ओर से आ रहे ट्रक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर भाग गया। सूचना पर पहुंची सट्टी पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को कब्जे में ले लिया। 108 एंबुलेंस के जरिए घायलों को राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डॉ. जीपी. द्विवेदी ने गंभीर रूप से घायल वसीम को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। सट्टी थाना प्रभारी कालीचरण कुशवाहा ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

गणतंत्र दिवस के पहले गश्त कर सुरक्षा का लिया जायजा

» अकबरपुर में 'एरिया डॉमिनेशन', रिक्रूट आरक्षियों ने संभाली गणतंत्र की पहरेदारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। गणतंत्र दिवस से पहले एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के निर्देश पर अकबरपुर कस्बे में व्यापक 'एरिया डॉमिनेशन' और पैदल गश्त अभियान चलाया गया, जिसने यह संदेश दे दिया कि गणतंत्र की सुरक्षा में कोई चूक नहीं होगी।

इस विशेष अभियान की पहचान बने युवा रिक्रूट 400 आरक्षी, जो पहली बार प्रशिक्षण की सीमाओं से बाहर निकलकर वास्तविक कार्यक्षेत्र में उतरे। क्षेत्राधिकारी भोगनीपुर संजय वर्मा के नेतृत्व में इन नवनियुक्त जवानों ने सड़क पर उतरकर न केवल सुरक्षा संभाली, बल्कि आमजन से संवाद कर पुलिस और जनता के रिश्ते को और मजबूत किया। अकबरपुर के प्रमुख मार्गों, बाजारों और संवेदनशील क्षेत्रों में फुट पेट्रोलिंग, बराबर निगरानी और सतर्क चेकिंग की गई। अकबरपुर प्रभारी निरीक्षक हरमीत सिंह और प्रभारी आरटीसी राजपाल सिंह भी टीम के साथ मौजूद रहे ।

.. तो क्या बेटे ने मां को मार डाला

पुलिस व फोरेंसिक टीम जांच में जुटी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। गजनेर थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच की। मृतका नन्हीं देवी अपने पुत्र अंकित कमल उर्फ उमेश के साथ गजनेर रोड स्थित जलालपुर मोड़ के पास किराए के मकान में रहती थीं। शुक्रवार सुबह करीब 9:45 बजे पुलिस को फोन से सूचना मिली कि बेटे ने मां की गला दबाकर हत्या कर दी है।

सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक गजनेर जनार्दन प्रताप सिंह और चौकी प्रभारी मंगटा ललित कुमार फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। बताया गया कि मृतका का पुत्र शव को सुबह अपने गांव रौगांव लेकर पहुंचा था, जिससे मामले की संदिग्धता और बढ़ गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम को बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। प्रभारी निरीक्षक जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि महिला की मृत्यु का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

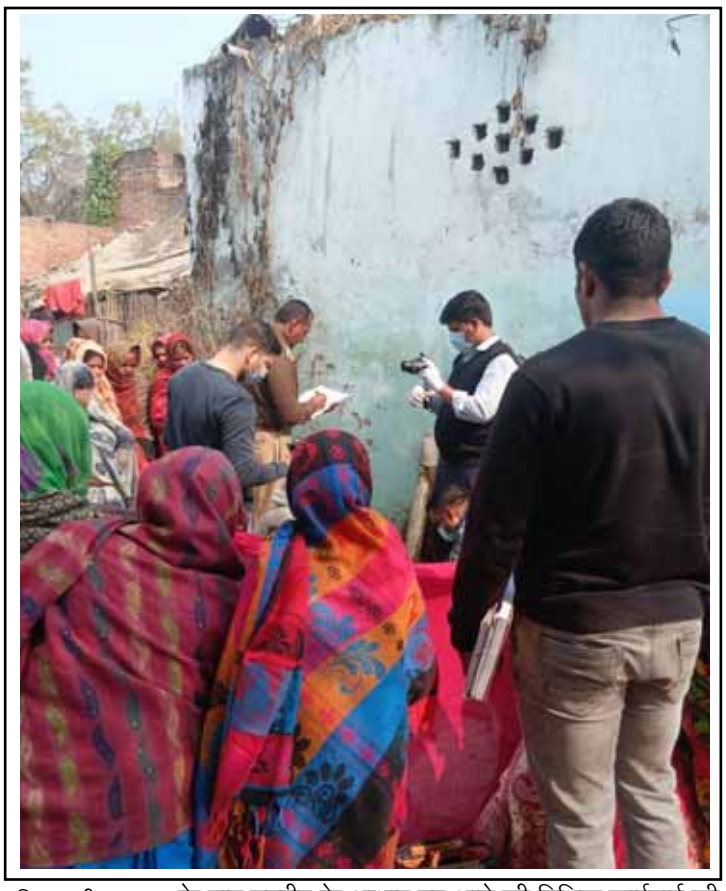

माता-पिता, गुरु की सेवा ही मानव जीवन का परम धर्म

» आचार्य जयकार शास्त्री के प्रवचन से भाव-विभोर हुआ गढ़ोलामऊ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। गढ़ोलामऊ ग्राम पंचायत अंतर्गत ललकीपुरवा में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के द्वितीय दिवस पर भागवत पीठाधीश्वर आचार्य जयकार शास्त्री वशिष्ठ ने प्रवचन एवं भक्तिरस से परिपूर्ण भजन से श्रद्धालुओं को अध्यात्म की गहन अनुभूति कराई। कथा स्थल भक्ति, श्रद्धा और दिव्यता के वातावरण से परिपूर्ण रहा।श्रीमद् भागवत कथा का रसपान करने पहुंचे बीएस मॉडर्न पब्लिक स्कूल के निदेशक राहुल यादव ने आचार्य श्री का

माल्यार्पण, अंगवस्त्र एवं मुकुट भेंट कर भव्य स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रवचन में आचार्य जयकार शास्त्री ने कहा कि ÷माता-पिता, गुरु और वरिष्ठजनों की सेवा ही मानव जीवन का परम धर्म है। जो अपने बड़ों का सम्मान करता है, उसके संतति भी उसका सम्मान करती है।÷ उन्होंने स्पष्ट किया कि भगवान जाति, वर्ग और भेदभाव से परे प्रेम के बंधन में बंधने वाले हैं तथा सच्ची भक्ति से किसी भी जीव के घर भगवान स्वयं पधार जाते हैं। राम प्रकाश यादव, राजकुमार यादव (प्रधान लिपिक), तिलक सिंह, अमित यादव 'गोलू', विकास यादव, सौरभ यादव, जनकराम यादव, दिनेश यादव आदि उपस्थित रहे।

मनरेगा में चल रहा फर्जी हाजिरी का बड़ा खेल

स्वराज इंडिया की पड़ताल

» एक ही परिवार के कई लोगों के अलग-अलग जॉब कार्ड बनाए गए

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा विकासखंड में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही है। योजना के तहत मजदूरों की उपस्थिति दर्ज करने में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा सामने आ रहा है। नियमों को दरकिनार कर एक ही परिवार के सदस्यों के नाम पर अलग-अलग जॉब कार्ड बनाए जा रहे हैं, जो मनरेगा गाइडलाइन का खुला उल्लंघन है।

मलासा विकासखंड की कई ग्राम पंचायतों में सिंगल श्रमिक के नाम पर जॉब कार्ड जारी किए गए हैं, जबकि परिवार के अन्य सदस्यों का उल्लेख तक नहीं किया गया। इसके चलते एक ही परिवार के कई लोगों के अलग-अलग जॉब कार्ड बनाए गए। हैरानी की बात यह है कि पति-पत्नी तक के अलग-अलग जॉब कार्ड बनाकर उन्हें मनरेगा के कार्यों में मजदूरी का भुगतान किया जा रहा है। योजना में फर्जी उपस्थिति का खेल इस कदर हावी है कि जो लोग कानपुर नगर, दिल्ली सहित अन्य शहरों में नौकरी कर रहे हैं, उनके नाम पर भी गांव में मनरेगा के कार्यों में उपस्थिति दिखाकर भुगतान कराया जा रहा है। यह स्थिति मनरेगा योजना की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। मनरेगा की ऑनलाइन एनएमएस (नेशनल मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम) पर अपलोड की गई तस्वीरें खुद भ्रष्टाचार की पोल खोल रही हैं। मास्टर रोल में दर्ज मजदूरों की पहचान छिपाने के लिए फोटो को आगे-पीछे, दाएं-बाएं खड़ा कर या अलग-अलग एंगल से खींचकर अपलोड किया जा रहा है। कहीं सिर झुकाकर तो कहीं कपड़े बदलकर एक ही मजदूर की फोटो कई बार उपयोग की जा रही है।

हद तो तब हो गई जब मास्टर रोल में महिला मजदूरों के नाम दर्ज होने के बावजूद पुरुषों की तस्वीरें एनएमएस में अपलोड की गईं। नाम और फोटो में भारी अंतर स्पष्ट रूप से मनरेगा नियमों की धज्जियां उड़ाए जाने की गवाही दे रहा है। इतना सब सामने आने के बावजूद योजना की निगरानी में लगे मनरेगा मेट, रोजगार सेवक, ग्राम सचिव, तकनीकी सहायक, मनरेगा अकाउंटेंट, कार्यक्रम अधिकारी और यहां तक कि विकासखंड स्तर के जिम्मेदार अधिकारी भी इस भ्रष्टाचार पर आंखें मूंदे हुए हैं।

ग्रामीणों ने भी फर्जी हाजिरी की शिकायत

मिशन शक्ति: महिलाओं को सुरक्षा उपायों हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

कानपुर देहात पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत कानपुर देहात पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को सशक्त एवं सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से जनपद में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। जनपद के विभिन्न बाजारों, सार्वजनिक स्थलों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पुलिस टीमों ने महिलाओं से संवाद स्थापित कर उन्हें उनके अधिकारों एवं सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। अभियान का उद्देश्य महिलाओं में सुरक्षा के प्रति विश्वास पैदा करना तथा उन्हें निर्भीक होकर अपनी बात रखने के लिए प्रेरित करना रहा।

अभियान के दौरान महिलाओं को आपातकालीन सहायता के लिए उपलब्ध महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों 1090 (महिला शक्ति लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (इमरजेंसी सेवा), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) एवं 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन) के उपयोग के संबंध में विस्तार से बताया गया। साथ ही पॉक्सो अधिनियम, दहेज निषेध अधिनियम एवं घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम जैसे कानूनों की जानकारी देकर शिकायत दर्ज कराने हेतु प्रेरित किया गया। साइबर अपराधों को ध्यान में रखते हुए पुलिस द्वारा महिलाओं को फिशिंग, साइबर स्टॉकिंग एवं सोशल मीडिया के जरिए होने वाली ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के उपाय भी बताए गए। इसके साथ ही पुलिस सेवाओं को सुलभ बनाने के लिए 卐यूपीकॉप卐 मोबाइल ऐप डाउनलोड करने की सलाह दी गई।

आईजी की हाई-पावर क्राइम मीटिंग में जिम्मेदारों से सवाल पर सवाल !

» अपराधों के साथ गणतंत्र दिवस की सुरक्षा का एक्शन प्लान तैयार किया गया

»पुलिस अधिकारी नियमित करें जनसुनवाई : आईजी आकाश कुलहरि

»स्वराज इंडिया ब्यूरो

झांसी-अपराध नियंत्रण,कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से तेजतर्रार छवि के कर्तव्यनिष्ठ आईजी आकाश कुलहरि ने गुरुवार को अपने रेंज कार्यालय स्थित सभागार में झांसी एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति,जालौन एसपी डॉ दुर्गेश कुमार व ललितपुर एसपी मोहम्मद मुश्ताक के साथ क्राइम मीटिंग कर सख्त दिए निर्देश.

आईजी ने ग्रामीण क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगवाने के लिए लोगो को जागरूक करने व रात्रि गश्त को और मजबूत करने,ड्रोन और अन्य डिजिटल निगरानी तकनीकी के अधिकतम उपयोग से अपराध रोकथाम की रणनीतियों पर गहन चर्चा की।वही उन्होंने लंबित विवेचनाओं का शीघ्र निस्तारण कराने के साथ ही हत्या,लूट,डकैती,चोरी,आदि घटनाओं में शामिल वांछित तथा इनामिया अपराधियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी कर जेल भेजने की निर्देश दिए है।महिला सुरक्षा,यातायात प्रबंधन और संगठित अपराध जैसे मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिका देते हुए इन अपराधों में किसी भी प्रकार की दिलाई न बरतने के लिए आधिकारियों को कड़े निर्देश दिए. आईजी ने कहा कि गणतंत्र दिवस और महाशिवरात्रि पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण में सकुशल संपन्न करने तथा कानून एवं यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखें।

योग, एकता और सनातन चेतना का संदेश

अयोध्या में आयोजित योग शिविर में पहुंचे योगगुरु बाबा रामदेव

»स्वराज इंडिया ब्यूरो

अयोध्या।योगगुरु बाबा रामदेव आज अयोध्या पहुंचे। यहां एक आश्रम में आयोजित योग शिविर में सहभाग करते हुए उन्होंने योग, सनातन चेतना और राम जन्मभूमि सहित अनेक समसामयिक व वैचारिक विषयों पर अपने विचार रखे। योग शिविर के दौरान बाबा रामदेव ने अयोध्या को भारत का पवित्र और सांस्कृतिक तीर्थ बताते हुए कहा कि यह भूमि केवल एक नगर नहीं, बल्कि सनातन परंपरा की आत्मा है। उन्होंने कहा कि इतिहास में विदेशी आक्रांताओं द्वारा अयोध्या को गहरा नुकसान पहुंचाया गया, किंतु सनातन संस्कृति ने हर चुनौती के बावजूद अपनी पहचान बनाए रखी।

बाबा रामदेव ने बताया कि वे प्रयागराज में पावन स्नान तथा वेदांती जी के जन्मदिवस पर आशीर्वाद प्राप्त कर अयोध्या पहुंचे हैं। उन्होंने शीघ्र ही श्रीराम जन्मभूमि जाकर रामलला के दर्शन करने की भी बात कही। अपने संबोधन में उन्होंने रामत्व, कृष्णत्व, हनुमत्व और शिवत्व की प्रतिष्ठा को भारत की आध्यात्मिक शक्ति का मूल बताते हुए कहा कि इन्हीं मूल्यों से राष्ट्र और समाज का मार्गदर्शन होता है। प्रयागराज में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से जुड़े विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए बाबा रामदेव ने कहा कि आपसी मतभेद और सार्वजनिक विवाद से सनातन धर्म को अपयश होता है। उन्होंने सभी संतों और विचारकों से एकजुट रहने का आह्वान करते हुए कहा कि एकता ही सनातन की सबसे बड़ी शक्ति है।

युवाओं को संस्कार-संस्कृति से जुड़ना चाहिए

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। रानी घाट गौशाला में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ का भव्य समापन हुआ। कथा व्यास पं. गोपाल द्विवेदी ने कहा कि युवाओं को भगवान की भक्ति मार्ग पर चलना चाहिए सभी युवाओं को संस्कार और संस्कृति से जोड़ना चाहिए ताकि उनके अंदर भी भक्ति भाव हमेशा बना रहे और वह अपने से बड़ों का सम्मान व आदर करते रहें।कथा समापन पर भंडारे भी हुआ। हास्य कलाकार अन्नू अवस्थी सहित कई सम्मानित लोग भी मौजूद थे। आयोजक नंद लाल गुप्ता नन्दू , नीरज अग्निहोत्री,वीरेन्द्र सिंह निषाद (पार्षद),पं. बबलू मिश्रा,हर्षित गुप्ता, हार्दिक गुप्ता,आकाश अग्निहोत्री प्रखर गुप्ता सारिका गुप्ता आदि रहे।

ताल-तलैया बिक गए फाइलों में अयोध्या डूब गई!

नगर निगम की नाकामी पर सूचना आयोग की फटकार, 15 दिन में जवाब तलब

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में विकास के नाम पर विनाश की पटकथा लिखी जा रही है। शहरीकरण की आड़ में गांवों का अस्तित्व मिटाया जा रहा है और भूमाफियाओं का काकस तालाब, पोखरे, कुएं, कुंड, झील और चारागाह तक निगल चुका है। हालात इतने भयावह हैं कि नगर निगम अयोध्या को अपने ही क्षेत्र की सच्चाई का अंदाज़ा नहीं है। जब सच जानने की कोशिश आरटीआई के ज़रिये हुई तो नगर निगम ने जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए ठीकरा दूसरे विभागों के सिर फोड़ दिया। मामला जब सूचना आयोग तक पहुंचा तो नगर निगम की लापरवाही और भ्रामक जवाबों पर कड़ी फटकार लगाई गई। आयोग ने स्पष्ट निर्देश देते हुए याची को 15 दिन के भीतर मांगी गई जानकारी उपलब्ध कराने का आदेश दिया है।

नगर निगम अयोध्या के पहले विस्तार में लगभग चार दर्जन गांव शामिल किए गए। इन गांवों में आबादी की जमीन, बंजर भूमि, चारागाह, तालाब, कुएं और झीलें सरकारी रिकॉर्ड में तो हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत में उनका नामोनिशान तक नहीं बचा। आरोप है कि भूमाफियाओं के संगठित नेटवर्क ने इन सार्वजनिक संपत्तियों को बेच डाला और व्यवस्था मूकदर्शक बनी रही। सामाजिक कार्यकर्ता अभिषेक सावंत ने 21 अगस्त 2025 को नगर निगम अयोध्या में सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत आवेदन देकर पूछा था कि नगर निगम क्षेत्र में कुल कितने तालाब, कुएं, कुंड और जलाशय हैं।

साथ ही उनके नाम, गाटा संख्या, क्षेत्रफल, जीआईएस लोकेशन, वार्डवार विवरण, वर्तमान स्थिति, अतिक्रमण, सफाई और पुनर्जीवन से जुड़ी कार्रवाई की जानकारी मांगी गई थी। नगर निगम अयोध्या ने न सिर्फ तालाबों और कुओं की सूची देने से इंकार किया, बल्कि आवेदक को तहसील सदर के कंप्यूटर कक्ष से जानकारी लेने की सलाह दे दी। अतिक्रमण हटाने और संरक्षण की जिम्मेदारी उप जिलाधिकारी सदर अयोध्या पर डाल दी गई, जो सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के सीधे-सीधे खिलाफ है। नगर निगम के इस टालमटोल और जिम्मेदारी से बचने वाले रवैये के खिलाफ अभिषेक सावंत ने प्रथम और द्वितीय अपील दायर की। आखिरकार सूचना आयोग ने नगर निगम की कार्यशैली को कठघरे में खड़ा करते हुए कड़ी फटकार लगाई और 15 दिन के भीतर पूरी जानकारी देने का आदेश जारी किया।

नदी को नाला बताकर निगल गई व्यवस्था

अयोध्या में हालात इतने बेकाबू हैं कि एक पवित्र नदी का अस्तित्व ही प्रशासन ने डकार लिया। कमियों पर पर्दा डालने के लिए तिलोदकी नदी को नाला घोषित कर दिया गया। एनजीटी के स्पष्ट आदेशों के बावजूद नदी के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। हैरानी की बात यह है कि इस पूरे मामले पर साधु-संतों और जिम्मेदार सामाजिक संस्थाओं की चुप्पी भी कई सवाल खड़े करती है।

अयोध्या ने हर बार अंग्रेज़ी हुकूमत की सख्ती को चुनौती दी। लाठीचार्ज, जेल और यातनाएँ भी यहाँ के लोगों के संकल्प को डिगा नहीं सकीं। घर-परिवार छोड़ हज़ारों लोग आंदोलन में कूद पड़े और आज़ादी के इतिहास में अपने नाम अमिट कर गए।

वीरता, बलिदान और राष्ट्रधर्म की अमिट गाथा

आज़ादी की जंग से गणतंत्र की चेतना तक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। वतन पर मरने वालों का यही बाक़ी निशां होगा–यह पंक्ति केवल एक शेर नहीं, बल्कि अयोध्या की आत्मा है। यह वही धरती है, जहाँ आज़ादी के इतिहास ने सिर्फ़ घटनाएँ नहीं, बल्कि बलिदान, त्याग और राष्ट्रधर्म के स्वर्णिम अध्याय रचे। 26 जनवरी गणतंत्र दिवस और 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर अयोध्या का स्मरण उस भूमि के रूप में होता है, जिसने गुलामी की बेड़ियों को तोड़ने के लिए अपने सपूतों को हँसते-हँसते राष्ट्र को अर्पित किया।

1857 से 1947 तक संघर्ष की अग्रिम पंक्ति में अयोध्या

1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से लेकर 1947 की निर्णायक घड़ी तक, अयोध्या–तत्कालीन फैजाबाद–हर आंदोलन में अग्रिम पंक्ति में खड़ी रही। जब अंग्रेज़ी सत्ता के विरुद्ध विद्रोह की पहली चिंगारी भड़की, तब मौलवी अहमदुल्लाह शाह के नेतृत्व में इस गंगा-जमुनी तहज़ीब वाले शहर ने क्रांति की मशाल थामी। धर्म, जाति और वर्ग की दीवारें तोड़कर यहाँ के नागरिकों ने यह सिद्ध कर दिया कि राष्ट्र सर्वोपरि है।

शहादत की साक्षी धरती

अयोध्या केवल आंदोलनों की भूमि नहीं, बल्कि बलिदानों की साक्षी भी है। काकोरी कांड के अमर शहीद अशफाक उल्लाह ख़ाँ को यहीं की ऐतिहासिक जेल में फाँसी दी गई। उनकी शहादत आज भी जिला कारागार की दीवारों में जीवित है। अशफाक उल्लाह ख़ाँ के साथ पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह और राजेंद्र नाथ लाहिड़ी की स्मृतियाँ इस अंचल की चेतना में रची-बसी हैं। यहाँ क्रांति कोई विचार मात्र नहीं थी, बल्कि जीवन का संकल्प थी।

गांधी युग और जनआंदोलनों की आग

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आह्वान पर असहयोग आंदोलन हो या सत्याग्रह—अयोध्या ने हर बार अंग्रेज़ी हुकूमत की सख़्ती को चुनौती दी। लाठीचार्ज, जेल और यातनाएँ भी यहाँ के लोगों के संकल्प को डिगा नहीं सकीं। घर-परिवार छोड़ हज़ारों लोग आंदोलन में कूद पड़े और आज़ादी के इतिहास में अपने नाम अमिट कर गए।

वैचारिक नेतृत्व की कर्मभूमि

स्वतंत्रता संग्राम के निर्णायक काल में अयोध्या आचार्य नरेंद्रदेव और डॉ. राम मनोहर लोहिया की कर्मभूमि बनी। समाजवाद, लोकतंत्र और जनचेतना के सूत्रपात में इस क्षेत्र की भूमिका ऐतिहासिक रही। इनके नेतृत्व में जनमानस ने संगठित होकर स्वतंत्रता की लड़ाई को नई दिशा दी।

गणतंत्र : बलिदानों का उत्सव

आज, आज़ादी के लगभग आठ दशक बाद, वह पीढ़ी हमारे बीच नहीं है जिसने प्रत्यक्ष संघर्ष किया। परंतु उनका स्वप्न जीवित है

भारतीय गणतंत्र के रूप में। 26 जनवरी केवल संविधान लागू होने का दिन नहीं, बल्कि उन असंख्य बलिदानों का उत्सव है, जिनकी नींव पर यह राष्ट्र खड़ा है। अयोध्या की धरती हमें स्मरण कराती है कि गणतंत्र केवल अधिकारों का नहीं, बल्कि कर्तव्यों का भी उत्सव है। जब तिरंगा फहरता है, तो उसके हर रंग में इस भूमि के शहीदों का लहू, त्याग और संकल्प झलकता है। यही अयोध्या की पहचान है आज़ादी की जंग से गणतंत्र की चेतना तक खिड़कियों पर मोटे पर्दे या काला कागज लगाएं, ताकि रोशनी बाहर न जाए

आधुनिक सुविधाओं से लैस ओल्ड एज होम बनाने की तैयारी

» राम मंदिर के बाद अयोध्या में बुजुर्गों के लिए नई सौगात

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। भव्य राम मंदिर निर्णय के बाद अब रामनगरी अयोध्या एक और नई पहचान की ओर बढ़ रही है। अयोध्या में आधुनिक सुविधाओं से युक्त ओल्ड एज होम (वृद्धाश्रम) बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। इस महत्वाकांक्षी योजना की पहल अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता द्वारा की गई है।

विधायक के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ अयोध्या के विकास को लेकर लगातार चर्चा होती रहती है। इसी क्रम में अयोध्या में एक ऐसे ओल्ड एज होम की आवश्यकता पर विचार किया गया, जो केवल वृद्धाश्रम न होकर एक संपूर्ण वेलनेस सेंटर के रूप में विकसित हो। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित ओल्ड एज होम में रहने, भोजन और चिकित्सा की समुचित सुविधाओं के साथ-साथ बुजुर्गों की हर जरूरत का ध्यान रखा जाएगा। यह केंद्र इस तरह विकसित किया जाएगा कि देश-विदेश से आने वाले लोग भी यहां सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन व्यतीत कर सकें।

विधायक ने कहा कि बेंगलुरु स्थित जिंदल हेल्थ केयर सेंटर से उन्हें इस तरह की परियोजना की प्रेरणा मिली। वहां की व्यवस्थाओं को देखने के बाद ही उनके मन में यह विचार आया कि अयोध्या में भी ऐसा ही एक भव्य और अलौकिक केंद्र होना चाहिए। उनके अनुसार, इस ओल्ड एज होम का निर्माण एनआरआई और श्रद्धालुओं के सहयोग से किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस योजना को हरी झंडी दे दी है। स्थान को लेकर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है, लेकिन इसे अयोध्या के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए विधायक ने विश्वास जताया है कि बहुत जल्द निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। राम मंदिर के बाद यह परियोजना अयोध्या को सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में भी नई ऊंचाई देने वाली मानी जा रही है।

बसंत पंचमी: संगम पर आस्था का महासैलाब

- माघ मेले का चौथा प्रमुख स्नान आज, ब्रह्म मुहूर्त से उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़
- बसंत पंचमी पर त्रिवेणी में पुण्य डुबकी को लेकर भारी उत्साह
- मां सरस्वती की आराधना संग संगम स्नान का विशेष धार्मिक महत्व
- अचला सप्तमी तक साढ़े तीन करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान का अनुमान

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

प्रयागराज। मिनी महाकुंभ के रूप में विख्यात प्रयागराज माघ मेले में आज चौथे बड़े स्नान पर्व पर आस्था का महासैलाब उमड़ पड़ा। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर ब्रह्म मुहूर्त से ही त्रिवेणी संगम पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। हर-हर गंगे और मां सरस्वती के जयघोष के बीच संगम तट भक्तिमय हो उठा।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार बसंत पंचमी के दिन संगम में स्नान करने से विद्या, विवेक और पुण्य की प्राप्ति होती है। इसी विश्वास के चलते साधु-संतों के अखाड़ों के साथ-साथ देश के कोने-कोने से आए श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा रहे हैं।

प्रशासन के अनुसार माघ मेले के दौरान अचला सप्तमी तक करीब साढ़े तीन करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के संगम स्नान करने की संभावना है। लगातार बढ़ रही भीड़ को देखते हुए मेला क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल, पीएसी और सुरक्षा एजेंसियों की तैनाती की गई है।

स्नान घाटों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, वहीं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया गया है। प्रशासनिक अधिकारी पल-पल की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम स्नान की सुविधा मिल सके।

- बसंत पंचमी पर माघ मेले का चौथा प्रमुख स्नान, ब्रह्म मुहूर्त से संगम पर उमड़ा आस्था का सैलाब
- त्रिवेणी संगम पर साधु-संतों, कल्पवासियों और श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी
- मां सरस्वती की पूजा के साथ संगम स्नान को विद्या और पुण्य फल से जोड़ा गया
- सुबह से ही संगम नोज, अरैल और झूंसी घाटों पर लंबी कतारें
- माघ मेले में अचला सप्तमी तक साढ़े तीन करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान
- भीड़ को देखते हुए मेला क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस, पीएसी और सुरक्षा एजेंसियां तैनात
- स्नान घाटों पर ड्रोन व सीसीटीवी से निगरानी, कंट्रोल रूम से पल-पल की मॉनिटरिंग
- यातायात व्यवस्था के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान लागू, बाहरी वाहनों पर आंशिक रोक
- प्रशासन का दावा–सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित स्नान के लिए सभी इंतजाम पूरे

भोजशाला परिसर में 10 साल बाद एक साथ हुई पूजा और नमाज

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

- सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर तय समय में धार्मिक अनुष्ठान, 8 हजार जवान तैनात
- 200 सीसीटीवी, 10 ड्रोन और अलग प्रवेश द्वार, प्रशासन हाई अलर्ट पर

धार। मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित 11वीं सदी के विवादित भोजशाला-कमल मौला मस्जिद परिसर में शुक्रवार को बसंत पंचमी के अवसर पर भारी सुरक्षा के बीच पूजा-पाठ शुरू हो गया। सुप्रीम कोर्ट के गुरुवार को दिए गए अहम आदेश के बाद पहली बार पूजा और नमाज के लिए स्पष्ट समय-सीमा तय की गई है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने आदेश दिया कि हिंदू समुदाय सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा कर सकेगा, जबकि मुस्लिम समुदाय दोपहर 1 बजे से 3 बजे के बीच नमाज अदा करेगा।स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन ने परिसर और आसपास के इलाकों में पुलिस, आरएएफ और सीआरपीएफ समेत करीब 8,000 जवान तैनात किए हैं। पूरे क्षेत्र की निगरानी 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों और 10 ड्रोन से की जा रही है। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के मुताबिक, दोनों समुदायों के लिए अलग-अलग प्रवेश और निकास द्वार बनाए गए हैं और सभी व्यवस्थाओं पर दोनों पक्षों की सहमति है। शांति बनाए रखने के लिए नमाजियों की सूची पहले ही प्रशासन को सौंप दी गई थी।

ऐतिहासिक-धार्मिक विवाद के बीच शांतिपूर्ण आयोजन की परीक्षा: भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित भोजशाला को

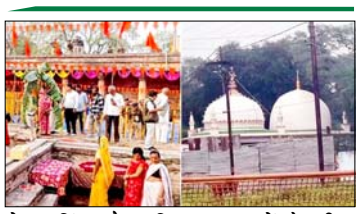

लेकर हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच वर्षों से विवाद चला आ रहा है। मुस्लिम समुदाय इसे सूफी संत कमालुद्दीन से जुड़ी कमल मौला मस्जिद मानता है, जहां सदियों से नमाज अदा होने का दावा किया जाता है। वहीं, हिंदू पक्ष भोजशाला को देवी वाग्देवी (सरस्वती) को समर्पित प्राचीन मंदिर बताता है और इसके समर्थन में संस्कृत शिलालेखों व मंदिरनुमा स्थापत्य का हवाला देता है। करीब 10 साल बाद ऐसा मौका आया है जब एक ही दिन परिसर में पूजा और नमाज दोनों हो रही हैं, जिस पर पूरे देश की नजर बनी हुई थी। फिलहाल दोनों कार्यक्रम शांति से निपट गया।

तराना में हिंसा के बाद बस स्टैंड वीरान, 15 बसें और दर्जनभर कारें क्षतिग्रस्त

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

उज्जैन। उज्जैन जिले की तराना तहसील में हुई सांप्रदायिक घटना के बाद हालात अभी भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। हिंसा के दौरान 15 बसों को नुकसान पहुंचाया गया, जबकि एक दर्जन से अधिक कारों में तोड़फोड़ की गई। आम दिनों में चहल-पहल से गुलजार रहने वाला तराना बस स्टैंड पूरी तरह सुनसान नजर आ रहा है। जगह-जगह टूटे वाहन और पसरा सन्नाटा हालात की गंभीरता बयां कर रहा है।

घटना के बाद बस स्टैंड के पीछे स्थित एक कावड़ की दुकान में आग लग गई। आग किसने और कैसे लगाई, इसको लेकर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है। मौके पर दमकल विभाग आग बुझाने में जुटा हुआ है। पुलिस और प्रशासन घटनास्थल पर निगरानी बनाए हुए हैं, ताकि स्थिति और न बिगड़े।सांप्रदायिक माहौल बिगड़ने के मामले में पुलिस ने अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी नाबालिग बताया जा रहा है, जो फिलहाल फरार है। पुलिस उसकी तलाश में दबिश दे रही है। प्रशासन ने इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर शांति बनाए रखने की अपील की है और अफवाहों पर ध्यान न देने को कहा है।

मिर्जापुर में 'जिम जिहाद' में जीआरपी हेड कांस्टेबल समेत 6 गिरफ्तार

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

- हिंदू युवतियों के शोषण और धर्मांतरण की शिकायत के बाद पुलिस की त्वरित कार्रवाई
- पांच जिम सील, मुठभेड़ में घायल आरोपी भी गिरफ्तार, संगठनों ने उठाई सख्त कार्रवाई की मांग

मिर्जापुर। मिर्जापुर में कथित 'जिम जिहाद' का मामला सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। आरोप है कि जिम में आने वाली हिंदू युवतियों का शोषण किया जा रहा था और उन पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जा रहा था। दो पीड़ित युवतियों की शिकायत के बाद देहात कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जीआरपी के हेड कांस्टेबल इरशाद सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने कार्रवाई के तहत नगर के पांच जिम को सील कर दिया है। वहीं जिस भवन में जिम संचालित हो रहा था, उसके मकान मालिक ने भी नोटिस जारी कर भवन खाली कराने की बात कही है। पुलिस के अनुसार, पांच आरोपियों को दबिश देकर गिरफ्तार किया गया, जबकि फरीद नामक आरोपी को गुरुवार को खड़ंजा फाल इलाके में मुठभेड़ के बाद घायल अवस्था में पकड़ा गया।

मामले के सामने आने के बाद बजरंग दल और हिंदू जागरण मंच सहित कई संगठनों ने कड़ा विरोध जताया है। संगठनों ने जिम में अश्लील फोटो-वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग के आरोप लगाते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है और प्रशासन से जिले की शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठाने की अपील की है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com